

न्यायालय भू-प्रबन्ध अधिकारी एवं पदेन राजस्व अपील अधिकारी उदयपुर
पीठासीन अधिकारी :- प्रदीप सिंह सांगावत, आर.ए.एस.

प्रकरण संख्या 12/2021 (डूंगरपुर डिक्री)

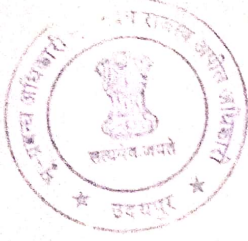
शंकरलाल पिता रामजी रोत मीणा, निवासी पारडा सरोदा, फला झीबुला,
तहसील सागवाडा, जिला डूंगरपुर (राज.)

..... अपीलान्तगण

बनाम

1. नाथू पिता फूला रोत मीणा, निवासी पारडा सरोदा, फला झीबुला, तहसील सागवाडा, जिला डूंगरपुर (राज.)
2. श्रीमती नाथी पत्नी मणीया रोत मीणा, निवासी पारडा सरोदा, फला झीबुला, तहसील सागवाडा, जिला डूंगरपुर (राज.)
3. मणीलाल उर्फ मणिया पिता नाथू (फोट) जाति भील मीणा, निवासी पारडा सरोदा, फला झीबुला, तहसील सागवाडा, जिला डूंगरपुर (राज.)
4. जवाहरलाल पिता थावरा रोत मीणा, निवासी पारडा सरोदा, फला झीबुला, तहसील सागवाडा, जिला डूंगरपुर (राज.)

.....रेस्पोंडेन्टगण



अपील अन्तर्गत धारा 223 राजस्थान
काश्त. अधि. 1955 विरुद्ध निर्णय व
डिक्री उपखण्ड अधिकारी, सागवाडा
दिनांक 10.08.2021 प्र.सं. 55/2005

- उपस्थित(वक्तबहस)
- 1- श्री डी.सी. चौबीसा अभिभाषक अपीलान्तगण
 - 2- श्री प्रवीण शुक्ला अभिभाषक रेस्पोंडेन्ट सं. 1
 - 3- श्री पैरोकार सरकार रेस्पोंडेन्ट संख्या 2

निर्णय

दिनांक 07-03-2024

प्रकरण के संक्षेप में तथ्य इस प्रकार है कि अधिनस्थ न्यायालय में हाल अपीलान्त व रेस्पोंडेन्ट संख्या 4 द्वारा एक वाद अन्तर्गत धारा 88, 188 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम का प्रस्तुत कर निवेदन किया कि प्रार्थीगण व अप्रार्थीगण एक ही पड़दादा रंगा जी के वंशज हैं। वाद पत्र की कलम संख्या 1 में अंकित सजरा अनुसार रंगा जी के तीन पुत्र फूला, नानजी व खातरा हुए, जिसमें खातरा लाऔलाद फोट हो गया। खातरा की मृत्यु पर उसकी जमीन का नामान्तरकरण नाथू ने अपने पुत्र मणिया के नाम करवा

भू-प्रबन्ध अधिकारी
पदेन राजस्व अपील अधिकारी
उदयपुर (राज.)




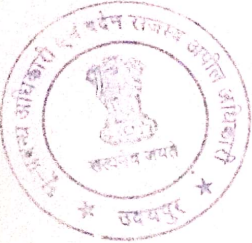
लिया। मणिया उर्फ मणीलाल विपक्षी संख्या 3 होकर फोट हो चुका है। नाथू ने कृष्ण गोपाल भील एवं मणीलाल पिता गलजी मीणा से मिलकर षडयंत्र पूर्वक कूटरचित खातरा की आराजी नंबर 5101, 5162, 5175, 5490, 5531, 5536, 5539, 5542, 5606, 5607, 5635, 5642, 5643, 5645 का वसीयतनामा अपने पुत्र मणिया के नाम रजिस्ट्रार सागवाडा में दिनांक 12-10-1988 को निष्पादित करवाया है। मणिया की मृत्यु हो चुकी है, जिसकी सम्पत्ति पर उसकी पत्नी नाथी व पुत्र काबिज हैं। खातरा ने कभी भी वसीयतनामा मणिया के पक्ष में निष्पादित नहीं किया है। खातरा के फर्जी हस्ताक्षर हैं। उक्त भूमि विपक्षीगण के नाम हो जाने से प्रार्थीगण के उपयोग-उपभोग में बाधा उत्पन्न करते हैं। अतः वादीगण के हित में सर्वकालिक घोषणा की जावे कि एनेक्सर 2 में वर्णित जमीन का मालिकाना हक वादीगण को दिलाया जावे तथा प्रतिवादीगण को जरिये स्थायी निषेधाज्ञा पाबन्द किया जावे।

प्रतिवादी संख्या 1 व 2 द्वारा खण्डन का जवाबदावा प्रस्तुत कर प्रतिदावा प्रस्तुत किया एवं निवेदन किया कि प्रतिवादी संख्या 3 की मृत्यु हो जाने के पश्चात भी उसे पक्षकार बनाया गया है तथा वसीयतनामा कूटरचित नहीं होकर वैध है। मणीलाल द्वारा उक्त भूमि का किसी को अन्तरण नहीं किये जाने के कारण प्रतिवादी संख्या 2 हकदार होने से उसे खातेदार घोषित किया जावे तथा वादीगण को जरिये स्थायी निषेधाज्ञा पाबन्द किया जावे।

अधिनस्थ न्यायालय ने प्लीडिंग्स के आधार पर कुल 5 तनकियां कायम की तथा अपने निर्णय दिनांक 10-08-2021 से वादीगण का वाद खारिज किया तथा प्रतिवादीगण का प्रतिदावा स्वीकार करते हुए उन्हें वादग्रस्त आराजियात का खातेदार घोषित किया एवं वादीगण को जरिये स्थायी निषेधाज्ञा पाबन्द किया, जिससे रूष्ट होकर अपीलान्दगण द्वारा इस न्यायालय में यह अपील दिनांक 27-08-2021 को प्रस्तुत की गयी है।

अपील दर्ज रजिस्टर की जाकर रेस्पोंडेन्टगण को नोटिस जारी किये जाने पर रेस्पोंडेन्ट संख्या 1 व 2 की ओर से वकील श्री लालसिंह चुण्डावत उपस्थित हुए। रेस्पोंडेन्ट संख्या 3 की पूर्व में मृत्यु हो चुकी है। रेस्पोंडेन्ट संख्या 4 की ओर से वकील श्री कन्हैयालाल पाटीदार उपस्थित हुए। अधिनस्थ न्यायालय की पत्रावली तलब की जाकर उभयपक्ष की बहस सुनी गयी।


श्री-राजेश अधिकारी
श्री-पद्मेश राजेश अपील अधिकारी
उदयपुर (राज.)



दौराने बहस अभिभाषक अपीलान्त ने अपील मीमों में वर्णित तथ्यों को ही पुनः दोहराया तथा बताया कि अधिनस्थ न्यायालय ने विधिक प्रावधानों की पालना नहीं कर अपीलान्त/वादीगण का वाद खारिज किया है। अधिनस्थ न्यायालय ने जिन तनकियों को प्रमाणित करने का भार प्रतिवादीगण पर था, जिन्हें प्रतिवादीगण साबित करने में असफल रहें हैं, फिर भी प्रतिवादीगण को लाभ पहुंचाने की गरज से उनका प्रतिदावा स्वीकार करने में भारी भूल की है। अधिनस्थ न्यायालय में तथाकथित वसीयनामा प्रदर्श 2 को अपीलान्त ने फर्जी व बनावटी होना सिद्ध किया है, किन्तु अधिनस्थ न्यायालय ने अपने निर्णय में यह अंकित किया कि वसीयतनामा फर्जी होने के संबंध में वादी द्वारा कोई आपराधिक कार्यवाही नहीं की गयी है। वादी/अपीलान्त अशिक्षित व ग्रामीण काश्तकार होने से उसे कानून की जानकारी नहीं है, लेकिन यदि न्यायालय के ज्ञान में कोई दस्तावेज फर्जी व बनावटी होना पाया जाता है तो न्यायालय स्वयं आपराधिक कार्यवाही करने हेतु सक्षम है। अधिनस्थ न्यायालय ने विधिक प्रावधानों की अनदेखी करते हुए निर्णय पारित किया है, जो त्रुटि पूर्ण है। अतः अपील स्वीकार की जाकर अधिनस्थ न्यायालय का निर्णय व डिकी अपास्त की जावे।



विद्वान अभिभाषक रेस्पोंडेन्ट ने अधिनस्थ न्यायालय के निर्णय व डिकी को विधि अनुरूप बताया तथा अपील सारहीन होने से खारिज करने का निवेदन किया।

हमने अधिनस्थ न्यायालय की पत्रावली के रेकार्ड व निर्णय का अवलोकन किया। प्रदर्श 1 जमाबन्दी संवत् 2060 से 2063 में विवादित आराजी नंबर 5101, 5162, 5175, 5490, 5531, 5536, 5539, 5542, 5606, 5607, 5635, 5642, 5643, 5645 कुल कित्ता 14 रकबा 10 बीघा 16 बिस्वा भूमि खातरा पिता रंगा भील के खातेदारी में दर्ज है तथा प्रदर्श 2 अनुसार खातरा द्वारा उक्त आराजियात की रजिस्टर्ड वसीयतनामा मणीलाल पिता नाथू भील के पक्ष में किया जाना स्पष्ट है। अपीलान्त/वादीगण ने उक्त वसीयत को फर्जी बताया है, किन्तु इस बाबत उनके द्वारा किसी प्रकार की कोई आपराधिक कार्यवाही रेस्पोंडेन्ट/प्रतिवादीगण के विरुद्ध नहीं की गयी है। अधिनस्थ न्यायालय ने अपने तनकीवार विवेचन में उपरोक्त तथ्यों का उल्लेख करते हुए अपीलान्त/वादीगण का वाद खारिज किया है तथा रेस्पोंडेन्ट/प्रतिवादी मृतक मणीलाल के विधिक वारिस होने के कारण


00

श्री प्रभाकर ओझा
बृज बहेन राजस्व अपील अभिभाषक
प्रयाग (राज.)

प्रतिवादी का प्रतिदावा स्वीकार कर विवादित आराजियात का खातेदार घोषित करते हुए अपीलान्त/वादीगण को जरिये स्थायी निषेधाज्ञा पाबन्द किया है, जो विधि सम्मत होने से हम उसमें किसी प्रकार का हस्तक्षेप करना उचित नहीं समझते हैं।

अतः अपील अपीलान्त सारहीन होने से खारिज की जाकर अधिनस्थ न्यायालय का निर्णय व डिक्री दिनांक 10-08-2021 यथावत रखी जाती है। तदनुसार डिक्री पर्चा जारी हो। पत्रावली बाद पूर्ण प्रविष्टि नंबर से कम होकर दाखिल दफतर हो। अधिनस्थ न्यायालय की पत्रावली लौटायी जावे। निर्णय आज दिनांक 07-03-2024 को खुले न्यायालय में सुनाया गया।




(प्रदीप सिंह-सांगावत)
भू-प्रबन्ध अधिकारी
एवं पदेन राजस्व अपील अधिकारी
उदयपुर

डिगरी व सीगे अपील
(ओ.41, रूल 35, जाब्ता दीवानी)
(Civil Procedure Code Appendix 'G'-9)

अज अदालत.....भू.प्र.अ. एवं पदेन रा.अ.अ.....मुकाम.....उदयपुर.....
व इजलासप्रदीप सिंह सांगावत, आर.ए.एस.

शंकरलाल पिता रामजी रोत मीणा, वनाम नाथू पिता फूला रोता मीणा, निवासी
नि० पारडा सरोदा, फला झीबुला, पारडा सरोदा, फला झीबुला, तहसील
तहसील सागावाडा, जिला डूंगरपुर सागावाडा, जिला डूंगरपुर व अन्य

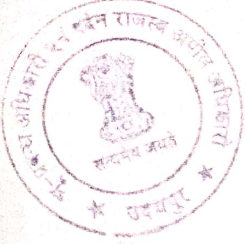
अपील नं.....12/2021.....व नाराजगी डिगरी अदालतउपखण्ड अधिकारी.....
.....सागावाडा..... मुकाम.....मुवर्ख.....10.....माह.....08.....2021

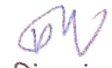
दावा बाबत

यह अपील व तारीख.....07.....माह.....03.....सन् 2024 रूबरू.....पक्षकारान
व हाजरी...श्री डी. सी. चौबीसा ...मिनजानिब अपीलान्त व.....श्री लालसिंह चुण्डावत
.....रेस्पोंडेन्ट समाअत के लिए पेश होकर हुक्म हुआ कि..... अपील अपीलान्त
सारहीन होने से खारिज की जाकर अधिनस्थ न्यायालय का निर्णय व डिक्री
दिनांक 10-08-2021 यथावत रखी जाती है। .

(खर्चा अपील हाजा का हस्ब तफसील जेल तादादी मुवलिग...X.....).....रूपये X.....
अदा करें, खर्चा मुकदमा मातहत का..... Xअदा करें।

मेरे हस्ताक्षर व मुहर अदालत आज तारीख.....07.....माह.....03.....2024
को जारी किया गया ।




(प्रदीप सिंह सांगावत)
भू-प्रबन्ध अधिकारी
एवं पदेन राजस्व अपील अधिकारी
उदयपुर

खर्चा अपील

अपीलान्त	रू०	पै०	रेस्पोंडेन्ट	रू०	पै०
1. स्टाम्प अपील			1. स्टाम्प वकालत नामा...		
2. स्टाम्प वकालत नामा			2. स्टाम्प अर्जी		
3. इजराय हुक्मनामा			3. इजराय हुक्मनामा		
4. वकील फीस बाबत			4. मेहनताना वकील.....		
मीजान			मीजान		

नोट:- इस खर्चे के फार्म पर फरीकेन का कुल खर्चा अपील का, चाहे डिगरी के जरिये
दिलाया गया हो।